मौसत अस्तबल और मकान इमारत जहरी जो दफ्तर रजिस्ट्री में हुई।	नम्बर शुमार इन्दराज व किस्म दस्तावेज	नकल दस्तावेज

(वसीयत नामा)

19/8/85 वसीयत नामा (Testamental Paper) जिल्द 3 पर दर्ज तस्दीक है।

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) बहराइच पुराना

नं० 33
वसीयत नामा
फी = 50-00
पृ = 2-00
52-00
अतिरिक्त
370

मैं कि मैं मानचन्द पुत्र कुन्दन पुत्र दरशन निवासी मौजा सनवाल परगना बढ़नौता तहसील चुपहा जिला पम्बा

मैं कि मैं परभू पुत्र मनसा निवासी ग्राम सनवाल परगना बढ़नौता तहसील चुपहा जिला पम्बा बउम्र 70 साल

चूंकि मुझको बाबत महाल सनवाल परगना बढ़नौता तहसील चुपहा में जायदाद मन्कूला व गैर मन्कूला का वाहद तौर पर मालक व काबज हूं

मुझको बहुत लाइक उला-उम्र हो चुका कोई भी काम खेती बाड़ी व दूसरी गृहस्थी का नहीं कर सकता। मेरी अपनी कोई भी औलाद नरीना व मदीना नहीं है। न औरत है। अपना नजदीकी कोई भी सेवा करने वाला नहीं है। श्री मानचन्द आदि भागी निवासी मकना परगना बढ़नौता जो मेरी तकरीबन भानजी का लड़का है व मेरी हैसियत में लगता है। मेरी हर तरह से अरसा 4/5 साल से टहल सेवा व खिदमत हर तरह से कर रहा है मुझको मानचन्द की टहल सेवा व खिदमत से बहुत खुश हूं। और पूरा विश्वास रखता हूं कि श्री मानचन्द आइन्दा भी मेरी टहल सेवा भली भांति करता रहेगा जैसा कि वह अब कर रहा है चूंकि मुझको बाबत महाल सनवाल परगना बढ़नौता में जायदाद मन्कूला व गैर मन्कूला का वाहद मालिक व काबज हूं। और मुझको नहीं चाहता कि बाद वफात मुझको मेरी जायदाद मन्कूला व गैर मन्कूला के बारा अदालतों में बिला औलाद

19/8/85 वसीयत वसीयत नामा हजा अलामति 19.8.85 बरोज सोमवार वक्त 2.30 या 3 बजे दिन श्री परभू पुत्र मनसा निवासी सनवाल प० बढ़नौता ने स्वयम् हजर दफ्तर सब-रजिस्ट्रार चुपहा मकाम नजराड़ बगर्ज रजिस्ट्री पेश की वसीयत दरख्वास्त तस्दीक व तस्लीम किया। रजिस्ट्री देख स्वीकृत किया गया।

उप रजिस्ट्रार (उप पंजीयक) बहराइच पुराना

19/8/85 मवाजूज वसीयत वसीयत नामा हजा दरख्वास्त का दरख्वास्त पढ़कर श्री मनसा राम को सुनाया व समझाया। जैसा उसने दरख्वास्त तस्दीक व तस्लीम किया। और तस्दीक हस्ता बेज से इकबाल किया। तस्दीक से जवाबदहारियां वसीयत नामा सर्वा श्री सुन्दर

बही न० ३

R. 3-49-000 Printing Service Co., Simla

क्रीमत अस्टाम्प और नकल इबारत जाहरी जो दफ्तर रजिस्टरी में हुई	नम्बर शुमार बन्दराज व किस्म दस्तावेज	नकल दस्तावेज

[illegible] ने [illegible] किया। [illegible] शव की शनाख्त श्री [illegible] उप प्रधान ग्राम पंचायत [illegible] वल्लौला ने की। [illegible] अंपप्रधान को मैं [illegible] जानता हूँ। अतः दस्ता वेज [illegible] किया गया।

हा० श्री हा० गवाह हा० गवाह

लदा

पुरा

हा० गवाह हा० गवाह

उप रजिस्ट्रार (उप पंचोपज)
लहरौल पुराण

19/8/85 प्रमाणित किया जाता है कि वसीयत को वसीयती इबारत पढ़ कर गवाहान ने अपने-2 हस्ताक्षर मेरे सामने किए हैं।

उप रजिस्ट्रार (उप पंचोपज)
लहरौल पुराण

होने के कारण मुकदमे चले और समस्त जायदाद मुकदमा बाजी में खर्च हो जाए व श्री मान चन्द की टैक्स सेवा व खिदमत का बोझ मेरे सिर पर रह जावे जिस का खमयाजा मुझ को अगले जहान में बुरा भुगतना पड़े।

अतः मुझ अपने होश हवास बसमा दुरुस्ती अकल के बिला तरगीब गैरे अपने दिमाग की सोच विचार शक्ति से तन्दुरुस्त हालत में अपनी तमाम जायदाद बामय अहाता हद्द महल सनवाल की वसीयत आज की तारीख 19-8-85 से बनाम श्री मान चन्द पुत्र श्री [illegible] निवासी मंजला पराना बल्लौला करता हूँ और लिख देता हूँ कि तमाम जायदाद वसीयतशुदा ताहियात मुझ मेरे कब्जा व तसर्फ में रहेगी बाद वफात मुझ तमाम जायदाद वसीयतशुदा का वारिस मुझ श्री मान सिंह पुत्र श्री अलेह कामल मालिक व काबिज तसव्वर होगा। दीगर किसी भी मेरे नजदीकी रिश्तेदार वारिस गैरात का जायदाद वसीयतशुदा पर किसी प्रकार का हक तअल्लुक न होगा। बाद वफात मुझ श्री तमाम रसूमात मय श्री मान चन्द श्री अलेह करेगा। अतः यह वसीयत नामा हलफ गवाहान द्वारा तहरीर कराया गया है कि सन्द रहे और वक्त जरूरत श्री अलेह के काम आवे। तारीख 19-8-85

गवाह शुद
लुदा पुत्र महेश राम
लम्बेदार पराना बल्लौला
अ/-लुदा

तस्दीक मय श्री
0 कांग्रेस
निशान

गवाह शुद
[illegible] पुत्र [illegible]
पराना बल्लौला
0 कांग्रेस निशान

मोहर
No. 607
dt. 19-8-85
sd/- Gian singh.

उप रजिस्ट्रार (उप पंचोपज)
लहरौल पुराण

यह वसीका क्रम संख्या 33 B.Book 3 खण्ड 6 में पृष्ठ 126 से (पृष्ठ-पृष्ठ) ..... पर आज दिनांक 19-8-85 को पंजीकृत हुआ।

उप रजिस्ट्रार